मन जीवन में छाया वसंत

-डॉ. मोनिका शर्मा

जिस देश में मौसम के बदलाव का सन्देश भी ऋतु बदल जाने के साथ आता हो वहां सबसे सुंदर, मनमोहक और सुहावने मौसम के मायने बहुत खास हो जाते हैं। यही वजह है कि वसंत की बात हमारी पौराणिक कथाओं से लेकर आधुनिक कविताओं तक का हिस्सा है। गांवों के सहज जीवन से लेकर शहरी व्यस्तता तक, हर कहीं प्रकृति के इस खिलखिलाते रूप की चर्चा होती है। लोकगीतों में भी वसंत की बात है और फिल्मों के गीत भी इस मौसम में शृंगारित धरा के बखान से भरे हैं। वाकई, कुदरत हमारे आस-पास कितने सुंदर रंग बिखेर देती है इस मौसम में। जो मन का मौसम भी बदल देते हैं लेकिन धरा के सौंदर्य का यह खूबसूरत पड़ाव जितने रंग लिए है उतनी ही सीख भी। कोयल की कूक और कलियों के खिलखिलाने का यह मौसम खुलकर जीने और जीवन को समझने का भाव भी लिए है।

वसंत का मनोहारी मौसम जीवन की गतिशीलता को समझाता है। प्रकृति के उत्सव की इस ऋतु में मनुष्य को स्वयं अपने जीवन की झलक मिल जाती है, अगर थोड़ी सजगता से देखने की कोशिश की जाए।